

कोयल की बोली



अदिति/Introduction

दुनिया में ऐसा कौन होगा जिसे चिड़ियों की चहचहाहट न भाती होगी और जब बात आए पंछी की मधुर बोली की, तो उसमें काली-निराली कोयल सबसे बाज़ी मार ले जाएगी। प्रस्तुत कविता में कवयित्री कोयल की मधुर बोली सुनकर उससे अपने मन में उठने वाले अलग-अलग प्रश्न पूछ रही हैं। वो कोयल से उसकी प्रशंसा करते हुए यह भी कहती हैं कि सदा मीठी बोली बोलने की अपनी माँ की सीख को मानकर उसने बहुत अच्छा किया और इसी कारण दुनिया में उसे 'चिड़ियों की रानी' कहा जाता है।

देखो कोयल काली है पर
मीठी है इसकी बोली,
इसने ही तो कूक-कूक कर
आमों में **मिसरी** घोली।

कोयल...कोयल! यह बतलाना
क्या **संदेसा** लाई हो?
बहुत दिनों के बाद आज फिर
इस डाली पर आई हो।

क्या गाती हो किसे बुलाती
बतला दो कोयल रानी,
प्यासी धरती देख माँगती
हो क्या **मेघों** से पानी?



बोध/Conceptual Understanding

- कोयल का संदेश क्या हो सकता है जिसके लिए वह इस डाली पर आई है?
- कोयल की बोली का क्या मतलब है?
- “आमों में मिसरी घोली” का क्या अर्थ है?
- क्या इस कविता में कोयल की बोली कोई गहरा संदेश दे रही है?



शब्दार्थ

मिसरी – चीनी की बनी मीठी गोली

संदेसा – खबर, समाचार **मेघ** – बादल



शिक्षण संकेत

छात्रों को मीठी बोली के महत्त्व के बारे में बताते हुए उन्हें मीठा बोलने के लिए प्रेरित करें।

अधिगम उद्देश्य/प्रतिफल

- अपने भीतर सद्गुणों का विकास कर सकेंगे।
- यदि आपमें अच्छे गुण हैं तो सभी आपको पसंद और प्यार करेंगे।
- बड़ों का कहना मानकर अच्छे गुणों का समावेश करते रहना चाहिए।

कोयल यह **मिठास** क्या तुमने
अपनी माँ से पाई है ?
माँ ने क्या तुमको यह
मीठी बोली सिखलाई है ?

डाल-डाल पर उड़ना गाना,
जिसने तुम्हें सिखाया है,
सबसे मीठे-मीठे बोलो,
यह भी तुम्हें बताया है।

बहुत **भली** हो तुमने माँ की,
बात सदा ही है मानी,
इसीलिए तो तुम कहलाती,
हो सब चिड़ियों की रानी।

—सुभद्रा कुमारी चौहान



बोध/Conceptual Understanding

- इस कविता में 'डाल-डाल पर उड़ना गाना' का क्या तात्पर्य है ?
- कविता में कौन-सी बातें हैं जो हमें 'सबसे मीठे-मीठे बोलना' के महत्त्व के बारे में सिखाती हैं ?
- इस कविता में माँ की महत्ता को कैसे दिखाया गया है ?
- कोयल चिड़ियों की रानी क्यों कहलाती है ?



शब्दार्थ

मिठास - मधुरता, मीठापन
भली - नेक, अच्छी



जीवन मूल्य

मीठी बोली से न केवल हमारे कार्य सिद्ध होते हैं, बल्कि हमको सबका प्यार और सम्मान भी प्राप्त होता है।



विधा परिचय

यह पाठ कविता विधा पर आधारित है। काव्य, कविता या पद्य, साहित्य की वह विधा है जिसमें कवि अपने मन के भावों को कलात्मक रूप से किसी भाषा के द्वारा अभिव्यक्त करता है।



रचनाकार परिचय

सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म 16 अगस्त, 1904 को इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश के पास निहालपुर गाँव में हुआ था। ये हिंदी की सुप्रसिद्ध कवयित्री और लेखिका थीं। झाँसी की रानी उनकी प्रसिद्ध कविता है। वे राष्ट्रीय चेतना की एक सजग कवयित्री रही हैं। स्वाधीनता संग्राम में अनेक बार जेल यातनाएँ सहने के पश्चात अपनी अनुभूतियों को कहानी में भी व्यक्त किया। इनकी मुख्य रचनाएँ 'मुकुल', 'झाँसी की रानी', बिखरे मोती आदि हैं। इनकी मृत्यु 15 फरवरी, 1948 को हुई।



अभ्यास (Practice)

(श्रवण, वाचन, पठन, लेखन पर आधारित)

(Based on Listening, Speaking, Reading, Writing Skills)



मेरे मुख से

(Listening and Speaking skill/श्रवण एवं वाचन कौशल)

(Oral Expressions/मौखिक अभिव्यक्ति)

श्रुतलेख/उच्चारण अभ्यास

निम्नलिखित शब्दों का सही उच्चारण कीजिए और उन्हें ध्यान से सुनकर सही-सही लिखिए—

मिसरी, संदेसा, प्यासी, माँगती, मेघों, मिठास, सिखलाई, चिड़ियों

निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए—

1. कोयल डाल पर बैठ किसे बुला रही है?
2. कोयल को कौन-से दूसरे नाम से भी पुकारते हैं?
3. कोयल दिखने में कैसी होती है?
4. कोयल की बोली में क्या विशेषता होती है?
5. कोयल ने अपनी माँ से क्या सीखा?



मेरी कलम से

(Writing and Reading skill/लेखन एवं पठन कौशल)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम दो वाक्यों में लिखिए।

(Written Expressions/लेखन अभिव्यक्ति)

- कोयल की बोली और रंग में क्या असमानता है?
- कोयल ने आमों में मिसरी कैसे घोली?
- कोयल को 'चिड़ियों की रानी' क्यों कहते हैं?
- इस कविता के माध्यम से क्या शिक्षा दी गई है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(VBQ/मूल्यपरक प्रश्न)

- कोयल और कौए में क्या समानता और क्या असमानता है?

दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनिए—

(MCQs/बहुविकल्पीय प्रश्न)

- माँ ने कोयल को क्या-क्या सिखाया है?

(क) मीठी बोली

☐

(ख) डाल-डाल पर उड़ना

☐

(ग) गाना

☐

(घ) उपर्युक्त सभी

☐

- कोयल का रंग रूप किस पक्षी से मिलता-जुलता है?

(क) चिड़िया

☐

(ख) गौरैया

☐

(ग) कौआ

☐

(घ) मैना

☐

भाषा के रंग

(Language skill/भाषायी कौशल)

- वाक्य पढ़िए और काव्य पंक्ति कविता में से चुनकर लिखिए—

(क) कोयल तुम क्या खबर लाई हो?

.....

.....

(ख) कोयल यह बताओ तुम क्या गाती हो और किसे बुलाती हो?

.....

.....

(ग) कोयल तुम बहुत अच्छी हो और हमेशा अपनी माँ की बात मानती हो।

.....

.....

2. तुकांत शब्दों का मिलान कीजिए, एक उदाहरण आपके लिए किया गया है—

मगर	घोली
नरम	शक्ति
चमक	बताया
रात	अगर
भक्ति	दमक
बोली	बात
सिखाया	गरम

3. विशेषण और विशेष्य के जोड़े बनाइए, एक उदाहरण आपके लिए किया गया है—

काली, मीठी, आंशिक, प्यासी, स्वास्थ्य

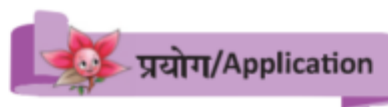
विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
..... दैनिक	दिन	बोली
.....	अंश	धरती
.....	कोयल	स्वस्थ

विशेषण— जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं। जैसे- सुंदर, प्यारा, मीठा, जंगली आदि।

4. संज्ञा, सर्वनाम और क्रिया शब्द उलझकर मिल गए हैं, इन्हें चुनकर सही शीर्षक के नीचे लिखिए—

माँ, धरती, इसने, गाना, मैंने, कोयल, उड़ना, सिखाना, मेघ, हमने, माँगना, तुमको

संज्ञा	सर्वनाम	क्रिया
.....
.....
.....
.....



कुछ करके सीखें

(Let us do and learn)

1. यह कविता कोयल की मीठी बोली के गुण को बताते हुए लिखी गई है। आप भी अपनी पसंद के पशु-पक्षी के गुणों या व्यवहार को ध्यान में रखते हुए एक छोटी-सी कविता लिखने की कोशिश करो और कक्षा में अपने साथियों को भी सुनाओ।



खोजबीन/खोज कर जानें

क्या आप जानते हैं कि किस महिला को भारत कोकिला की उपाधि से सम्मानित किया गया है? परिवार के सदस्यों या इंटरनेट की सहायता से उनकी अन्य उपलब्धियों का भी पता लगाइए। प्राप्त जानकारी को अपने सहपाठियों के साथ बाँटो।



दिमाग के घोड़े दौड़ाओ

आपने कभी टंग ट्विस्टर्स के बारे में सुना है? अगर नहीं तो पता करके अपने साथियों को बताओ और नीचे दिए गए टंग ट्विस्टर को पाँच बार लगातार तेज़ी से बोलते हुए उसका मज़ा लो—

खड़गसिंह के खड़कने से खड़कती हैं खिड़कियाँ,
खिड़कियों के खड़कने से खड़कता है खड़गसिंह...

अब एक टंग ट्विस्टर आप भी लिखकर साथियों को दिखाओ।



खुद की परख

Self assessment (Emotional Development)

सुभद्रा कुमारी चौहान हिंदी साहित्य जगत की जानी-मानी कवयित्री हैं, उनकी कविता 'झाँसी की रानी' भी पढ़ें। उस कविता को पढ़ते समय आपको कैसा महसूस हुआ? उस बारे में दो-तीन पंक्तियों में लिखकर अपने अनुभव भी बताएँ।



भारत के रोचक तथ्य

(Knowledge of India)

यह तो हम सभी जानते हैं कि मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है। भारतीय मोर या नीला मोर (पावो क्रिस्टेटस) दक्षिण एशिया के देशी तीतर परिवार का एक बड़ा और चमकीले रंग का पक्षी है। नर मोर के पंख घने रूप से एक-दूसरे से जुड़ते हुए एक फैलाव बना सकते हैं, जबकि मोरनी के पास इस तरह के पंखों का अभाव होता है। वर्षा ऋतु में जिसे हम अक्सर अपने पंखों को फैलाए हुए बेहद सुंदर नृत्य करते देखते हैं, वह मोर ही होता है। इनकी आवाज़ बहुत तेज़ होती है जो अक्सर इनके शिकारी को इनका पता बता देती है। अनाज के आलावा यह चूहे, छिपकली, गिलहरी और साँप भी खाते हैं। इसे साँपों का शत्रु भी माना जाता है।

